जगद्गुरु श्रीगौरकिशोर दास बाबाजी महाराज

(शिक्षा समन्वित जीवनी)

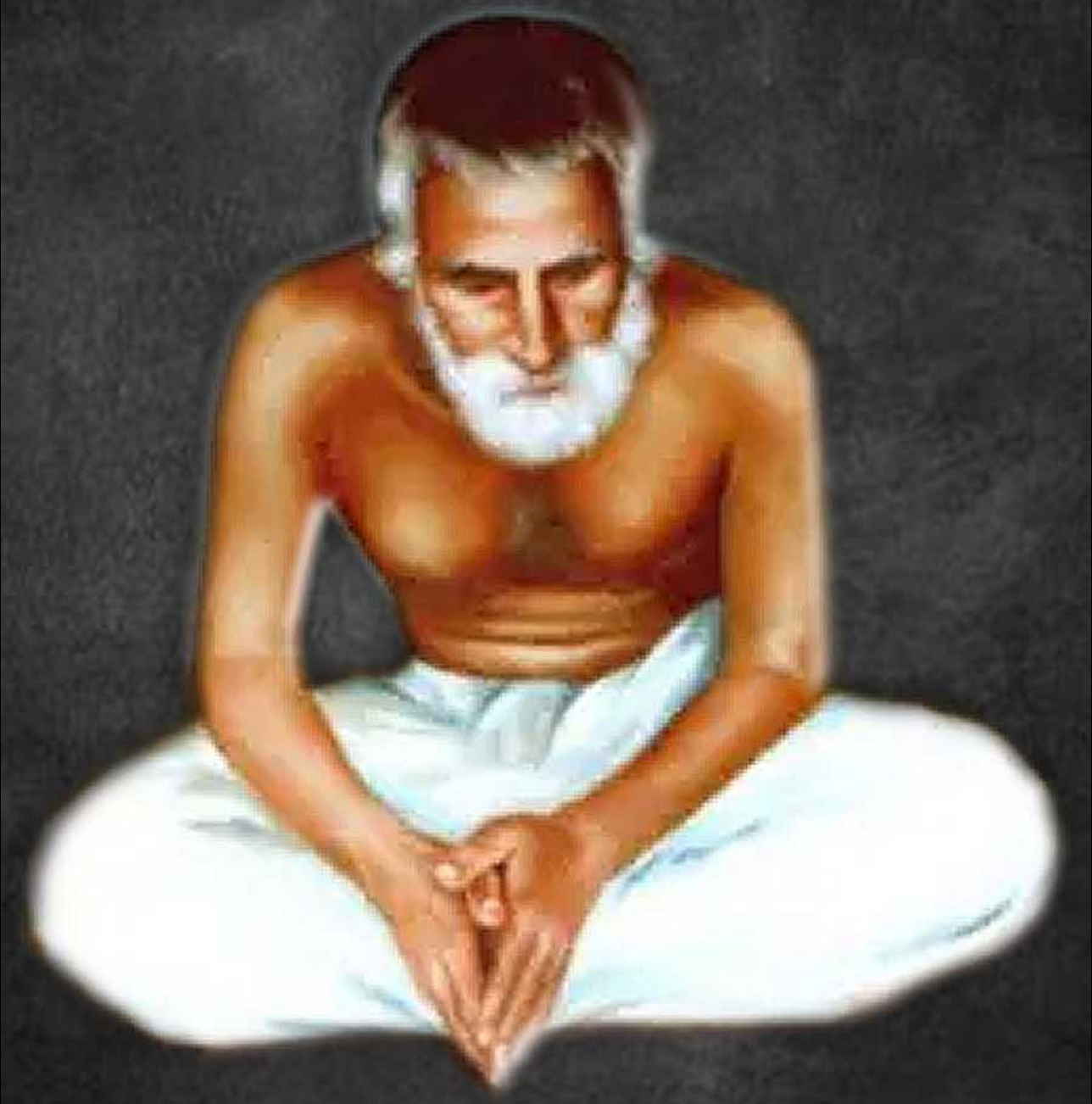

श्रील प्रभुपाद भक्ति सिद्धान्त सरस्वती ठाकुर जी की दिव्य लेखनी से संकलित

SGD

निष्किंचन साधुओं का महोत्सव

श्रीलगुरुदेव

एक बार श्रील सनातन गोस्वामी की तिरोभाव तिथि आ गई; उससे एक दिन पहले श्रील बाबाजी महाराज ने एक भक्त से कहा,— 'कल श्रीगोस्वामी प्रभु की अप्रकट तिथि है, हम महोत्सव करेंगे। इस नवद्वीप में गोस्वामी लोगों में से कोई भी उत्सव नहीं करते।' भक्त ने कहा— महोत्सव के लिए चीजें कहाँ से मिलेंगी, उत्सव कैसे करेंगे ? श्रील बाबाजी महाराज ने कहा,— 'किसी

को कहने की ज़रूरत नहीं है, एक समय भोजन छोड़कर केवल हरिनाम करेंगे। हम कंगालों का यही महोत्सव है।'

श्रीलगुरुदेव